NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

9th Convocation

Newspaper: Dainik Bhaskar

Date: 30-03-2023

केविवि दीक्षांत समारोह • लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रबल इच्छाशक्ति व कड़ी मेहनत आवश्यक : पूर्व राज्यपाल

43 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 22 को पीएच.डी., 18 को एमफिल और 1013 को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

भारकर न्यूज़ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के नौवें दीक्षांत समारोह का आयोजन बुधवार को हुआ। इस दौरान असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्य अंतिथि थे। विशिष्ट अंतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैरताश चंद्र शर्मा पहुंचे। दीक्षांत समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। हकेवि के नौवें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 120 तथा बी.वॉक. में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 18 को एम.फिल. को उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल हैं।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। मुख्य अतिथि राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि मैं समस्त उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूं। साथ ही यह ध्यान दिलाना चाहता हूं कि इस डिग्री के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्यान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

शिक्षा का उद्देश्य केवल नीकरी प्राप्त करना नहीं है अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों को भलाई के लिए करेंगे, ऐसा मेरा विश्वस है। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशति और सख्त मेहनत से इसे हासिल करें। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह अब भारतीय संस्कृति की ओर लौट आया है। यह अवसर अर्जित शिक्षा को जीवन में उतारने का है। हमें शिक्षा को आचरण में उतारने का संकल्प देशा का दाईग 'पैकज' प्राप्त करता नहीं हो सकता है। अनुभूति और अध्यात्मपरक शिक्षा देना हमारी संस्कृति रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अनुपालना में भारतीय संस्कृति के गौरवपूर्ण विषयों और मातृभाषाओं को शामिल कर युवाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर और आत्मसक्षम भारत अवश्य बनेगा। अभिमान मुक्त ज्ञान ज्ञा जावन को क्षेष्ठ बनाए, यही मेरी कामना है।



किसी ने अपने गुरुजनों को किसी ने परिवार को दिया अपनी सफलता का श्रेय

हकेवि में खुधवार को आयोजित नौवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

 समाजशास्त्र विभाग की छात्रा स्मृति प्रिया पदक पाकर व अचभित और रोमांचित महसूस कर रही है। उन्होंने अपना यह पदक परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही यह सफलता प्राप्त हुई है।

 पत्रकारिता एवँ जनसंचार विभाग के छात्र अगस्त मुनि मिश्रा ने अपनी इस उपलब्धि के लिए विभाग के
शिक्षकों का आभाद व्यक्त किया । उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का भी आभार व्यक्त किया।

 बी.वॉक. बायोमेडिकरन साइंसेज के विद्यार्थी पुनीत ने कहा कि उनकी यह उपलब्धि मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत बड़ी सफलता है। उन्होंने अपना यह पदक अभिभावकों व शिक्षकों को समर्पित किया ।
एमसीए की छात्रा हेमा कुमारी ने स्वर्ण पदक पाने के बाद कहा कि उन्हें इसे पाकर गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने अपने शिक्षकों विशेषकर डॉ. सूरज आर्य अंगे अपने अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरा ध्यान सदैव पढ़ाई पर ही रहा है और यह उपलब्धि यकौनन खुशी प्रदान कर रही है। • बायो2क्नोलॉजी की छात्रा शुभांगी सिंह ने कहा कि यह सफलता उनके लिए बेहद खुशी की बात है और उनके विभाग के शिक्षकों की मेहनत का ही परिणाम है कि विभाग के सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। शुभांगी ने अपना यह पदक अपनी मां को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग व शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही उन्हें यह सफलता मिल सकी है। - शिक्षक शिक्षा विभाग के विद्यार्थी कुमार गंधवें ने कहा

रियोग रिपेश विभोग का विद्यान पुरार पितन न ने हुए कि उन्होंने कहा कि संदे में ये दाखिला लिया था, तब उन्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं था कि वे स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान उन्होंने हर दिन कुछ नया सीखा, जिसमें विश्वविद्यालय का माहौल बेहद मददगार साबित हुआ। उन्होंने कोरोना काल में विश्वविद्यालय के स्तर पर जारी अध्ययन-अध्यापन के प्रयासों की भी सराहना की।

-पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा साक्षी वर्मा ने कहा कि मैं इस उपलब्धि के बाद बेहद खुश हूँ। मेरा दाखिला कोरोना काल के दौरान हुआ था। इसके बाद भी अभिभावकों व शिक्षकों की मेहनत का नतीजा है कि वह इस उपलब्धि तक पहुँच सकी और यह पदक शिक्षकों विशेषकर डॉ. तेजपाल ढेवा व मेरे अभिभावकों को समर्पित है।

यह दिन विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगा : प्रो. टंकेश्वर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. जगदीश मुखी व विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश चॅंद्र शर्मा व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समस्त अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के आगमन और उपलब्धियों से हमारा मान बढा है। उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में ज्ञान और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएं और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कोशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran

Date: 30-03-2023

लक्ष्य के लिए कड़ी मेहनत बहुत आवश्यकः प्रो. जगदीश मुखी

असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी बने मुख्य अतिथि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हर्केवि), महेंद्रगढ के नौवें दीक्षा समारोह का आयोजन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढाई, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो, कैलाश चंद्र शर्मा दीक्षा समारोह में शामिल हए। दीक्षा समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शरूआत कुलगीत के साथ हुई।

मख्य अतिथिं राज्यपाल प्रो. जगदीश मखी ने कहा कि डिग्री हासिल के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है, अपित एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों की भलाई के लिए करेंगे। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति और सख्त मेहनत से इसे हासिल करें। शिक्षकों को प्रेरित करते हुए प्रो. मुखी ने कहा कि राष्ट्रीय के साथ-साथ स्थानीय चुनौतियों और समस्याओं को केंद्रित कर शोध को आगे बढाएं। मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार में हो रहे प्रयोगों और प्रयासों की प्रशंसा की। राष्टीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उपलब्ध समस्त विकल्पों की चर्चा करते हुए



दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि के साथ कुलपति व विशिष्ट अतिथि व अन्य गणमान्य •

43 स्वर्ण पदक सहित 1053 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेवि के नौवें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल ., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए । इनमें स्नातक पादयक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 120 तथा बीवाक में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पादयक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई । 22 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 18 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई । 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल हैं ।

उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शिक्षा के साथ-साथ अनुसंधान को भी बढावा मिलेगा और प्राचीन एवं नवीन मुल्यों की समेकित स्थापना होगी। विशिष्ट अतिथि प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि दीक्षा समारोह अब भारतीय संस्कृति की ओर लौट आया है। यह अवसर अर्जित शिक्षा को जीवन में उतारने का है। हमें शिक्षा को आचरण में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊचाई का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने 21वीं सदी में भारत के विकास के तीन आधारों का जिक्र करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युगानुकूल अत्याधनिक शोध और नवाचार से

हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने में सफल होंगे। विश्वविद्यालय लघ भारत की संकल्पना को समाहित करते हुए हरियाणा के अतिरिक्त 25 अन्य राज्यों के 53 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में एलओसीएफ, सीबीसीएस और ब्लेंडेड लर्निंग के माध्यम से मुल्य आधारित शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। कुलपति ने अकादमिक, सामुदायिक और राष्ट्रीय हितों की सुनिश्चितता के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शोध परियोजनाओं और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता जापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समस्त अतिथियों का स्वागत किया।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi

Date: 30-03-2023

लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रबल इच्छाशक्ति व कडी मेहनत आवश्यक: प्रो. जगदीश नौवें दीक्षांत समारे 1013 छात्रों को डिग्री वितरि

४३ स्वर्ण पदक सहित १०५३ छात्रों को मिली उपाधियां

हकेवि के नौवें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएवडी. एमफिल, स्नातक व रनातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठयकमों के अंतर्गत बीटेक में 120 तथा बीवॉक में 112 विद्यार्थियों को तथा रनातकोत्तर पाठ्यक्रमों में ७८१ विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएचडी व 18 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598

अध्यात्मपरक शिक्षा देना हमारी संस्कति

अनुभूति और अध्यात्मपरक शिक्षा देना हमारी संस्कृति रही है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्यातिथिँ प्रो. जगदीश मुखी व विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाशचंद्र शर्मा व सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी। विश्वविद्यालय लघु भारत की संकल्पना को समाहित करते हुए हरियाणा के अतिरिक्त 25 अन्य राज्यों के 53 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में नए काम किए जा रहे है।



महेंद्रगढ। दीक्षांत समारोह में मख्यातिथि के साथ कुलपति व विशिष्ट अतिथि व अन्य गणमान्य।

का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा

कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस

विश्वविद्यालय का नाम रोशन

करेंगे। शिक्षा का उद्देश्य केवल

नौकरी प्राप्त करना नहीं है अपित्

एक अच्छे नागरिक का निर्माण

करना है। आप अपनी शिक्षा का

उपयोग कमजोर और अशिक्षित

लोगों की भलाई के लिए करेंगे.

ऐसा मेरा विश्वास है। विद्यार्थी अपने

जीवन में लक्ष्य निर्धारण में

सावधानी बरतें और प्रबल

इच्छाशक्ति तथा मेहनत से इसे

हासिल करें। विशिष्ट अतिथि प्रो.

कैलाशचंद्र शर्मा ने कहा कि दीक्षांत

समारोह अब भारतीय संस्कृति की

ओर लौट आया है। यह अवसर

और

क्षेत्र में जाएंगे देश

हरिया विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अर्जित शिक्षा को जीवन में उतारने शर्मा ने कहा कि भारतीय शिक्षा का दर्शन पैकेज प्राप्त करना नहीं हो का है। हमें शिक्षा को आचरण में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। सकता है। उन्होंने छात्रों का उत्साह विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्रो. भी बढाया।

43 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, २२ को पीएचडी, १८ को एमफिल व १०१३ विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

हरिभूमि न्यूज 🕨 महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षांत समारोह का आयोजन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी नै मुख्यातिथि के तौर पर कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा दीक्षांत समारोह में शामिल हए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्यातिथि राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि मैं समस्त उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हं। साथ ही यह ध्यान दिलाना चाहता हं कि इस डिग्री के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi

Date: 30-03-2023



हरिभूमि न्यूज 🕨 महेंद्रगढ़

हरियाणा केंदीय विश्वविद्यालय में बधवार को आयोजित नौवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है यह उनके चमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। हर

ये बोले विद्यार्थी

समाजशास्त्र विभाग की छात्रा स्मृति प्रिया पदक पाकर व अचम्भित और रोमांचित महसुस कर रही है। उन्होंने अपना यह पढक परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही यह सफलता प्राप्त हुई है।

कुलपति का आभार

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के खात्र अगरत मुनि मिश्रा ने अपनी इस उपलब्धि के लिए विमाग के शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके प्रयासों व मार्गदर्शन से ही आज वह इस सफलता को प्राप्त कर पाए। उन्होंने कुलपति का आभार जताया।

पढाई के दौरान नया सीखा

उत्तीर्ण हुए हैं।

शिक्षक शिक्षा विभाग के विद्यार्थी कमार गंधर्व ने कहा कि उन्होंने जब इस कौर्स में दाखिला लिया था, तब उन्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं था कि वे स्वर्ण पढक प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पढाई के दौरान उन्होंने हर दिन कुछ नया सीखा।



पढाई पर रहा ध्यान

एमसीए की চ্চাত্ম हेमा कुमारी ने स्वर्ण पदक पाने के बाद कहा कि उन्हें इसे पाकर गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने इस

अवसर पर अपने शिक्षकों विशेषकर डॉ. सरज आर्य और अपने अभिमावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरा ध्यान सदैव पढाई पर ही रहा है

शिक्षकों की मेहनत का नतीजा

पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा साक्षी वर्मा ने कहा कि वह इस उपलब्धि के बाद बेहद खुश है। दाखिला कोरोना काल के बौरान हुआ था। इसके बाद भी अभिभावकों व शिक्षकों की मेहनत का नतीजा है कि वह इस उपलब्धि तक पहुंच सकी और यह पढ़क शिक्षकों विशेषकर डॉ. तेजपाल ढेवा व अभिभावकों को समर्पित है।







बहुत बड़ी सफलता

बीवॉक बायोमेडिकल साइंसेज के





NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari

Date: 30-03-2023

^{हकेंबि का} लक्ष्य प्राप्ति के लिए <mark>प्रबल इच्छाशक्ति व</mark> ^{9वां दीक्षांत} समारोह कड़ी मेहनत आवश्यकः प्रो. जगदीश मुखी

43 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को मिले स्वर्ण पदक

महेंद्रगढ़, 29 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के 9वेंदीक्षांत समारोह का आयोजन बुधवार 29 मार्च को हुआ।

इस अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्यातिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्यातिथि राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि वह समस्त उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हैं। साथ ही यह ध्यान दिलाना

चाहते हैं कि इस डिग्नी के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों की



दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि के साथ कुलपति, विशिष्ट अतिथि व अन्य गण्यमान्य।

भलाई के लिए करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति और सख्त मेहनत से इसे हासिल करें।

शिक्षकों को प्रेरित करते हुए प्रो. मुखी ने कहा कि राष्ट्रीय के साथ-साथ स्थानीय चुनौतियों और समस्याओं को केंद्रित कर शोध को आगे बढ़ाएं। मुख्यातिथि ने विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार में हो रहे प्रयोगों और प्रयासों की प्रशंसा की।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उपलब्ध समस्त विकल्पों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शिक्षा के साथ-साथ अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा और प्राचीन एवं नवीन मूल्यों की समेकित स्थापना होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय

की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत

1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को मिलीं उपाधियां व स्वर्ण पदक

हकेंवि के 9वें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टैक. में 120 तथा

करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्यातिथि प्रो. जगदीश मुखी व विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश चंद्र शर्मा व सभी गण्यमान्य अतिथियों का स्वागत किया।

कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह बी.वॉक. में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 18 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल हैं।

उपाधि विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नईसंभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों सपनों को पूर्णकरने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई विद्यार्थी जीवन में ज्ञान और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएं

उन्होंने 21वीं सदी में भारत के विकास के 3 आधारों का जिक्र करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युगानुकूल अत्याधुनिक शोध और नवाचार से हम आत्मनिर्भर और विकसित् भारत बनाने में सफलहोंगे।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समस्त अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के आगमन और उपलब्धियों से हमारा मान बढ़ा है और मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का जीवन हमें प्रेरणा प्रदान करता है।

उ पाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में ज्ञान और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएं और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें।

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaja Samaj

Date: 30-03-2023

लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रबल इच्छाशक्ति व कड़ी मेहनत आवश्यक : प्रो. जगदीश मुखी



नीरज कौशिक

महेंद्रगढा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ के नीवें दीक्षांत समारोह का आयोजन बधवार 29 मार्च को हुआ। इस अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल माननीव प्रो. जगदीश मखी ने मख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढावी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरिवाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीखांत समारोह की शरूआत कलगीत के साथ हई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि मैं समस्त उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूं। साथ ही यह भ्यान दिलाना चाहता हूं कि इस डिग्री के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्याधियों का अख्रान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है अपित् एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमओर और अशिधित लोगों की भलाई के लिए करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति और सख्त मेहनत से इसे हासिल करें। शिक्षकों को प्रेरित करते हुए प्रो. मुखी ने कहा कि राष्ट्रीय के साथ-साथ स्थानीय

चनौतियों और समस्याओं को केंद्रित कर शोध को आगे बढाएं। मख्य अतिथि ने विरुवविद्यालय में शोध और नवाचार में हो रहे प्रयोगों और प्रयासों की प्रशंसा की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनरूप उपलब्ध समस्त विकल्पों को चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शिक्षा के साथ-साथ अनुसंधान को भी बढावा मिलेगा और प्राचीन एवं नवीन मूल्यों की समेकित स्थापना होगी। समस्त विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना भरी होनी चाहिए और इसे अपने आचरण से भी प्रदर्शित करना चाहिए। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह अब भारतीय संस्कृति की ओर लौट आवा है। वह अवसर अजिंत शिक्षा को जीवन में उतारने का है। हमें शिक्ष को आचरण में उतारने का संकल्प लेना चाहिए।

विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्रो. शर्मा ने कहा कि भारतीय शिक्षा का दर्शन हापैकेजहा प्राप्त करना नहीं हो सकता है। अनभूति और अध्यात्मपरक शिक्षा देना हमारी संस्कृति रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुपालना में भारतीय संस्कृति के गौरवपूर्ण विषयों और मातृभाषाओं को शामिल कर युवाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर और आत्मसंधम भारत अवश्य बनेगा। अभिमान मुक्त ज्ञान आपके जीवन को श्रेष्ठ बनाए, वही मेरी कामना है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय को उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो.टकेश्वर कुमार ने दीशांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. जगदीश

शर्मा व सभी गणमान्य अतिथियों का स्थागत किया। कलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नयी ऊचाई का संचार करेंगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। उन्होंने 21वीं सदी में भारत के विकास के तीन आधारों का जिक्र करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युगानुकूल अत्याधनिक शोध और नवाचार से हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने में सफल होंगे।

विश्वविद्यालय लघु भारत की संकल्पना को समाहित करते हुए हरिवाणा के अतिरिक्त 25 अन्य राज्यों के 53 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नौति 2020 के आलोक में एलओसीएफ, सीबीसीएस और ब्लेंडेड लर्निंग के माध्यम से मुल्य आधारित शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। कुलपति ने अकादमिक, सामुदाविक और राष्ट्रीय हितों की सुनिश्चितता के लिए संगोष्ठियों, कार्यज्ञलाओं, शोध परियोजनाओं और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा है।

इससे पूर्व में विषयविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा वादव ने समस्त

मखी व विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश चंद्र अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के आगमन और उपलब्धियों से हमारा मान बढ़ा है और मख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का जीवन हमें प्रेरणा प्रदान करता है। उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में जान और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएं और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्वकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय को विभिन्न पीठों के अधिष्ठता, कलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्ष नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

43 स्वर्ण पदक सहित 1053 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेवि के नौवें दोखांत समारोह में कल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठवकमों के अंतगंत बी.टेक. में 120 तथा बी.वॉक. में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पादवक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 18 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 खत्र और 455 छात्राएं शामिल हैं।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj

Date: 30-03-2023



नीरज कौशिक

महेंद्रगढ् । हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को आयोजित नौवें दीर्धात समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्याधियां को खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल केसा होता है यह उनके चमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

समाजशास्त्र विभाग की छात्रा स्मृति प्रिया पदक पाकर व अचम्भित और रोमाचित महसूस कर रही है। उन्होंने अपना यह पदक परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि



उनके सहयोग से ही यह सफलता प्राप्त कुलपति हुई है। भविष्य में भी वह इसी तरह आभार व्य सर्वोत्तम के लिए प्रयास करती रहेगी। बी.व

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्र अगस्त मुनि मिश्रा ने अपनी इस उपलब्धि के लिए विभाग के शिखकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके प्रयासों व मार्गदर्शन से ही आज वह इस सर्कलता को प्राप्त कर पाए। उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालव के

त कुलपति प्रो. टकेश्वर कुमार का भी ह आभार व्यक्त किया। बी.बॉक. बायोमेडिकल साइंसेज

भा-भा- अपना-अन्तर प्राह्म के विद्यार्थ पुरात ने कहा कि उनकी यह उपलब्धि मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत बड़ी सफलता है। उन्होंने अपना यह पदक अभिभावकों व शिक्षकों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन व निर्देशन में ही सफलता का यह सफर पूर्ण हुआ है। एमसीए की छात्रा हेमा कुमारी ने स्वर्ण पदक पाने के बाद कहा कि उन्हें इसे पाकर गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने इस अवसर पर अपने शिश्वकों विशेषकर डी. सुरज आर्य और अपने अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरा थ्यान सदैव पढ़ाई पर हो रहा है और यह उपलब्धि वकीनन खुशी प्रदान कर रही है।

बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा शुभांगी

सिंह ने कहा कि वह सफलता उनके लिए बेहद खुरी की बात है और उनके बिभाग के शिक्षकों की मेहनत का ही परिणाम है कि विभाग के सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। शुभागी ने अपना वह पदक अपनी मां को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहवोग व शिक्षकों के मागंदर्शन से ही उन्हें वह सफलता मिल सब्ती है।

शिक्षक शिक्षा विभाग के विद्यार्थी

कमार गंधवं ने कहा कि उन्होंने जब इस कोर्स में दाखिला लिया था, तब उन्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं था कि वे स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पढाई के दौरान उन्होंने हर दिन कुछ नया सीखा, जिसमें विश्वविद्यालय का माहौल बेहद मददगार साबित हुआ। उन्होंने कोरोना काल में विश्वविद्यालय के स्तर पर जारी अध्ययन-अध्यापन के प्रयासों की भी सराहना की। पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा साक्षी वर्मा ने कहा कि मैं इस उपलब्धि के बाद बेहद खुश हूं। मेरा दाखिला कोरोना काल के दौरान हुआ था। इसके बाद भी अभिभावकों व शिक्षकों की मेहनत का नतीजा है कि वह इस उपलब्धि तक पहुंच सकी और यह पदक शिक्षकों विशेषकर डॉ. तेजपाल ढेवा व मेरे अभिभावकों को समर्पित है।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Human India

Date: 30-03-2023

लक्ष्य प्राप्ति के लिए केवल दो गुरू मंत्र प्रबल इच्छाशक्ति व कड़ी मेहनत : प्रो. जगदीश मुखी

 हकेवि के नौवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी

• 43 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 22 को पीएच.डी., 18 को एम.फिल. और 1013 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

त्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

गुरुवानचा महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विष्ठवविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के नीर्वे दीर्धात समारोह का आयोजन firmily बचवार 20 मार्च को इआ। इस जुबवार 25 वार्व का हुआ। इव अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल माननीय प्री. जगदीश मुखी ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की सोभा बदायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा रान्य रचवतर शिक्षा परिषद के जपाध्यक), कैलाश चंद्र शर्मा दीर्धात समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपसंधित रहे। दीक्षांत समारोह की शुरूआत विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कता कि मैं सम उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देख हूँ। साथ ही यह ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि इस डिग्री के पीछे जनके परिजनों और डिशाकों का पाछ उनक परिजना जार (त्याका का कठिन परिजम है। विद्यार्थियों का आहवान करते हुए उन्होंने कहा कि विद्यविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमतोर और अशिवणित लोगों की धलाई के लिए करेंगे, ऐसा ibn fierers &: firenull anu? जीवन में लख्य निर्धारण में सावधानी



वरतें और प्रवल इच्छाशकित और सरात मेहनत से इसे हासिल करें। शिक्षकों को प्रेरित करते हुए प्रो. मुखों ने कहा कि राष्ट्रीय के साथ-साथ स्थानीय चुनीतियों और समस्याओं को केंद्रित कर शोध को आगे बद्दाएँ। मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार में हो रहे प्रयोगों और प्रयासों की प्रशंसा को। राष्ट्रीय जिला नीति 2020 के अनुरूप उपलब्ध समस विकल्पों की बार्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शिक्ष के साथ-साथ अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा और प्राचीन एवं नवीन मूल्यों की समेकित ख्यापना होगी। समस्त

विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना भरी होनी चाहिए और इसे अपने आचरण से भी प्रदर्शित करना चाहिए। दीक्षांत समारोह में विजिन्ह अतिथि के रूप में उपसंधत प्रो. केलास चंद्र समां ने कहा कि दीशांत मधारीह अब धारतीय संस्कृति की ओर लीट आया है। यह अजिंत शिक्षा को जीवन में उतारने का है। हमें जिसा को आधाण में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्रो. शमां ने कहा कि भारतीय सिक्षा का दर्शन 'पैकेज' प्राप्त करना नहीं हो

संस्कृति रही है। राष्ट्रीय लिखा नीति 2020 की अनुपालना में धारतीय संस्कृति के गौरवपूर्ण विषयों और मातृभाषाओं को जामिल कर मुषठओं के माध्यम से आत्मनिर्भर और आत्मसंखम भारत अवस्य अनेगा। अभिमान मुक्त ज्ञान आपके जीवन को क्षेण्ठ बनाए, पत्नी मेरी कामना है। इस अवसर पर विक्वविद्यालय को जपालकीयरों का वरीस प्रसल को उपलबभया को ज्यारा प्रस्तृत करते हुए कुलगाति प्रो.7केश्वर कुमार ने दीश्वांत समारोड के मुख्य आतिय प्रो. जगदील मुख्ये व विजिप्ट अतिथि दी. कैल्ला चंधर जर्भा व सभी

को बचाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्याधियों के जीवन में एक नयी ऊर्जा का संचार करेगा। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद इमारे विद्यार्थी नई संधावनाओं की दुनिया में प्रयोग का रहे हैं। उन्होंने थियों के सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थप प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और जिसकों को भी बधाई दी। उन्होंने 21वीं वर्ल में भारत के विकास के तीन आधारों का जिक्र करते हुए कहा कि गुजवत्रापूर्व शिक्षा, युग्रानुकूल अत्याधुनिक सोध और नवाचार से हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने में सफल होंगे। विषयविद्यालय लघु धारत को संकरपना को समाहित करते हुए हरियाणा के अतिरिका 25 जन्म ñ रान्यों के 53 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय जिल्ला नीति 2020 के आलोक में सकता है। अनुभूति और गणमान्य अतिथियों का स्थागत आधारित शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों अध्यात्यपरक शिक्षा देना हमारी किया।कुलयति ने दिग्री प्राण करने के सर्वागीण विकास के लिए

विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है । कुलपति ने अकादयिक, सामुदायिक और राष्ट्रीय हितों को मुनिष्धितता के राष्ट्राय हता का सुन्धरपतत क लिए संगोध्डियों, कार्यसालाओं, सोध परियोजनाओं और विदेशी विरवविद्यालयों के साथ समझौत ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा है। इससे पूर्व में जिल्लीवद्यालय की समकुलपति धो. सुषमा माटव ने समस्त अतिषियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के आगमन और उपलबधयों से हमारा मान बढा है और मध्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का जीवन इमें प्रेरणा प्रदान करता है। उपाधि प्राण करने जाने विद्यासियों को संबोधित करते हुए कहा कि ये अपने जीवन में ज्ञन और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएँ और विकार्यालय का नाम रोगन करें। मंच का कुशल संचालन डां रिंकुमादव एवम डॉ पूजा पादव में किया। लेखत समारोह में किया। दीर्थात समारोह में किया। दीर्थात समारोह में विरवविद्यालय को कार्यकारो परिषद, हीर्थांक परिषद व अवत्र नात 2020 क मतराक न भारपर, तवानक भारपर न एलडोमीएक, सोबीमीएस और विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, करेडेड लॉर्नन के साध्यम के मुल्द विधिन्न तिश्चन संस्थानें। आधारित तिशा के द्वारा विद्यार्थियों विश्वविद्यालय की विधिन्न पोठों के अधिष्ठाता, कुलसाधित्र प्रो. सुनील

परीक्ष नियंत्रक प्रो. राजी uffina, fire attanti 12 विकास कुमार, दिल्ली से प्रो आरपी तुलमोयान, वरिष्ठ पत्रकार अतुल शियल, बद्धानंद करिंग दिल्ली मे टेकचंद, डॉ रावेश गुपा एचओडी मैप्स, प्रो रणबोर सिंह एचओडी 122.1 ti fuite quality ज्योग्राफी, विश्वविद्यालय जनसंपर्व अधिकारी शैलेंद्र , विधार्गों के विधाराध्यक, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। 43 म्यणं पटक महिन 1053

विद्याधियों को मिली उपाधियां इकेवि के डीवें दीखंत समारोह में कल 1053 विद्याचियों व शोधाचियों को भोएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर को उपाधियाँ व स्वर्ण पटक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पदक प्रदेश किए गए। इसमें स्थालक पाट्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 120 तथा बी.खेक. में 112 विद्यापियों को तथा स्थातकोत्तर पाट्पक्रमों में 781 विद्यार्थियों को हिंसी प्रहन की गई। 22 शोधांचिंगों को पीएच.डी. एवं 18 को एम.फिस. को उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यादियों व जोधादियों में ५०० जाव और 455 छात्राएं शामिल हैं।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Human India

Date: 30-03-2023

स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

ह्यूमन इंडिया∕मनोज गोयल गुडियानिया

महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को आयोजित नौवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है यह उनके चमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता को कहानी अलग-अलग थी।

समाजशास्त्र विभाग की छात्रा स्मृति प्रिया पदक पाकर व अचर्मभत और रोमांचित महसूस कर रही है। उन्होंने अपना यह पदक परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही यह सफलता प्राप्त हुई है। भविष्य में भी वह इसी तरह सर्वोत्तम के लिए प्रयास करतीं रहेगी।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्र अगस्त मुनि मिश्रा ने अपनी इस उपलबंध के लिए विभाग के शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके प्रयासों व मार्गदर्शन से ही आज वह इस सफलता को प्राप्त कर पाए। उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलरापति प्रो. टेकेश्वर कुमार का भी आभार व्यक्त किया।

बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनित ने कहा कि उनकी यह उपलब्धि मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत बड़ी सफलता है। उन्होंने अपना यह पदक अभिभावकों व



शिक्षकों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन व निर्देशन में ही सफलता का यह सफर पूर्ण हुआ है। एमसीए की छात्रा हेमा कुमारी ने

स्वर्ण पदक पाने के बाद कहा कि
उन्हें इसे पाकर गर्व की अनुभूति हो
रही है। उन्होंने इस अवसर पर अपने
शिक्षकों विशेषकर डॉ. सुरज आर्य

और अपने अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरा ध्यान सदैव पढ़ाई पर ही रहा है और यह उपलब्धि यकीनन खुशी प्रदान कर रही है।

बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा शुभांगी सिंह ने कहा कि यह सफलता उनके लिए बेहद खुशी की बात है और उनके विभाग के शिक्षकों की मेहनत का ही परिणाम है कि विभाग के सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। शुभांगी ने अपना यह पदक अपनी माँ को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग व शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही उन्हें यह सफलता मिल सकी है। शिक्षक शिक्षा विभाग के विद्यार्थी

कुमार गंधर्व ने कहा कि उन्होंने जब इस कोर्स में दाखिला लिया था, तब उन्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं था कि वे स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान उन्होंने हर दिन कुछ नया सीखा, जिसमें विश्वविद्यालय का माहौल बेहद मददगार साबित हुआ। उन्होंने कोरोना काल में विश्वविद्यालय के स्तर पर जारी अध्ययन-अध्यापन के प्रयासों को भी सराहना की।

पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा साक्षी वर्मा ने कहा कि मैं इस उपलबंध के बाद बेहद खुश हूँ। मेरा दाखिला कोरोना काल के दौरान हुआ था। इसके बाद भी अभिभावकों व शिक्षकों की मेहनत का नतीजा है कि वह इस उपलबंध तक पहुँच सकी और यह पदक शिक्षकों विशेषकर डॉ. तेजपाल देवा कोरें विशेषकर डॉ. तेजपाल देवा कोरें विशेषकर डॉ. वेजपाल देवा को